आरती क्षेत्रपाल

करूँ आरती क्षेत्रपाल की, जिन पद सेवक रक्षपाल की।। टेक ।।
विजयवीर अरु मणि भद्र की, अपराजित भैरव आदि की।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....

सिर पर मणिमय मुकुट विराजै, कर में आयुध त्रिशूल जुराजै।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....

कूकर वाहन शोभा भारी, भूत प्रेत दुष्टन भयकारी।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....

लंकेश्वर ने ध्यान जो कीना, अंगद आदि उपद्रव कीना।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....

जभी आपने रक्षा कीनी, उपद्रव टारि शांत मय कीनी।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....

जिन भक्तन की रक्षा करते, दुख दारिद्र सभी भय हरते।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....

पुत्रादि वाँछा पूरी करते, इसीलिये हम आरती करते।।

करूँ आरती क्षेत्रपाल....